चीन सीमा पर सड़कों पर पैसा खर्च करेगी सरकार

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के मुताबिक, सरकार वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (VVP) के तहत **उत्तराखंड और सिक्किम में चीन सीमा पर बनने वाली प्रत्येक किलोमीटर सड़क के लिये 2 करोड़ रुपए** से अधिक खर्च कर सकती है।

मुख्य बिंदु:

- **केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA)** ने चीन सीमा से लगे क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार के लिये **अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम** में VVP के तहत 113 सड़कों को मंज़ूरी दी है।
  - अरुणाचल प्रदेश में जहाँ 105 सड़कों को मंज़ूरी दी गई है, वहीं **उत्तराखंड में पाँच** और सिक्किम में तीन सड़कों को भी मंज़ूरी दी गई है।
- गृह मंत्रालय के मंज़ूरी-पत्र के अनुसार, **उत्तराखंड के पिथौरागढ ज़िले में** 119 करोड़ रुपए की लागत से 43.96 किमी. सड़कें बनाई जानी हैं।
  - प्रत्येक किलोमीटर सड़क पर 2.7 करोड़ रुपए की लागत आने की उम्मीद है। एक बार निर्माण के बाद, "परिसंपत्ति" का रखरखाव राज्य सरकार को करना होगा।
  - **सिक्किम में,** VVP के तहत उत्तरी सिक्किम में **चुंगथांग और मंगन ब्लॉक** में 96 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 18.73 किलोमीटर लंबी सड़कों एवं 350 मीटर स्टील पुलों को मंज़ूरी दी गई है।
  - प्रत्येक किलोमीटर सड़क निर्माण पर 2.4 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम

- यह एक **केंद्रीय वित्तपोषित कार्यक्रम** है जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट वर्ष 2022-23 (2025-26 तक) में उत्तर में सीमावर्ती गाँवों को विकसित करने और ऐसे **सीमावर्ती गाँवों के निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ की गई।**
- इसमें **हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख** के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल होंगे।
- इसके तहत 2,963 गाँवों को कवर किया जाएगा, जिनमें से 663 को पहले चरण में कवर किये जाएंगे
- ग्राम पंचायतों की सहायता से ज़िला प्रशासन द्वारा वाइब्रेंट विलेज एक्शन प्लान बनाए जाएंगे
- **वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की वजह से 'सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम' के साथ ओवरलैप की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/government-to-spend-money-on-roads-along-china-border